CBSE कक्षा 12 हिन्दी (केन्द्रिक)
Question Paper कम्पार्टमेंट Delhi 2017 सेट-1

सामान्य निर्देशः

- इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें।

खंड-क

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (15)**
भारत का हृदय गाँवों में बसता है। यहीं पर सेवा और परिश्रम के अवतार किसान रहते हैं, जो हम सब के अन्नदाता और सम्पूर्ण सृष्टि के पालक हैं। किसान का नाम आते ही हमारी आँखों के सामने एक ऐसे असहाय और दयनीय व्यक्ति की छवि घूमने लगती है जिसकी आँखों में निराशा का अँधेरा दिखाई देता है किन्तु होता है वह परिश्रमी एवं स्वाभिमानी व्यक्तित्व का धनी व्यति। उसकी दुरवस्था के लिए वह खुद भी जिम्मेदार है जिसके अनेक कारण हैं। अशिक्षा के कारण वह न तो अपने अधिकारों की ओर जागरूक है और न वर्तमान तकनीकी विकास की ओर ही उसका ध्यान जा पाता है। परिणामत: उसकी पैदावार प्रभावित होती है और उसे अपने उत्पादन का उचित मूल्य भी नहीं मिल पाता। अत्यन्त अल्पमूल्य में वह अपना बहुमूल्य परिश्रम साहूकार अथवा सरकार के हाथ सौंप देता है और वह सदैव फटेहाल ही रह जाता है।
इसके साथ-साथ किसानों के किसी संगठन का अभाव भी उसके विकास में सबसे बड़ा बाधक है। वह अपने खून-पसीने की गाढ़ी कमाई को आपसी झगड़े-झंझट की बलि चढ़ा देता है। दादा की पुश्तैनी रंजिश पोते तक और उससे आगे तक चलती रहती है। फलत: कोर्ट-कचहरी उसके परिश्रम को खा जाती हैं। इन सबके साथ-साथ सरकारी योजनाओं के केन्द्र प्रायः नगर ही रहते हैं। जहाँ से किसान का कोसों दूर तक कोई सम्बन्ध नहीं रहता। फलत: कुछ मुट्ठी भर लोग ही उसका लाभ उठाते रहते हैं और वह दीन-हीन किसान अपनी दुरवस्था पर आँसू बहाता रहता है। इन सबके अतिरिक्त अंधविश्वासी परम्परावादी होना भी उसके लिए अभिशाप होता है।
पूँजी का अभाव किसान की सनातन समस्या है। बीज, खाद, उपकरण खरीदने की क्षमता प्रायः उसके पास नहीं होती और वह या तो साहूकार की ओर मुँह करता है या बैंकों की ओर। फँसता वह दोनों ओर है। यदि किन्हीं प्राकृतिक या मानवी कारणों से फसल मारी गई तो ऋण-वसूली में न साहूकार दया करता है, न बैंक। उसका आधार नहीं रहता, उसके पैरों तले की ज़मीन खिसक जाती है और उबरने का कोई रास्ता न देखकर वह आत्महत्या करने को विवश हो जाता है। 'ग्रामदेवता', 'अन्नदाता' जैसे विशेषण उसकी हँसी उड़ाते हैं।
    1. **अशिक्षित होने से किसान को क्या-क्या हानियाँ होती दिखाई पड़ती हैं? (2)**
    2. **किसान के मार्ग की दो कठिनाइयों का विवेचन कीजिए। (2)**
    3. **पुश्तैनी रंजिश का क्या तात्पर्य है? इसका दुष्परिणाम लिखिए। (2)**

4. **'किसान को सनातन समस्या'' क्या मानी गई है और क्यों? (2)**
5. **"फंसता वह दोनों ओर है।" कैसे? समझाइए। (2)**
6. **किसानों के द्वारा आत्महत्या का मुख्य कारण क्या होता है? उससे छुटकारा आपके विचार से कैसे संभव है? (2)**
7. **गद्यांश से दो मुहावरे चुनकर उनका प्रयोग अपने वाक्यों में कीजिए। (2)**
8. **गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)**

उत्तर-

1. - अपने अधिकारों के प्रति जागरूक न होना
   - वर्तमान तकनीकी विकास की ओर ध्यान न जाना
2. - साहूकार द्वारा शोषण
   - संगठन का अभाव
   - पुरानी रंजिश से आर्थिक हानि
   - अंधविश्वास
   - पूँजी का अभाव

   (कोई दो बिंदु)
3. - बाप-दादा से चली आ रही पुश्तैनी दुश्मनी
   - कोर्ट-कचहरी के चक्कर में पैसे व परिश्रम की बरबादी
4. - पूँजी का अभाव
   - बीज, खाद, उपकरण खरीदने के लिए साहूकार और बैंक का मुँह ताकना।
5. प्राकृतिक आपदाओं से फसल नष्ट होने पर साहूकार या बैंक द्वारा कोई सहानुभूति नहीं मिलती।
6. ऋण से मुक्ति का कोई उपाय न सूझना विद्यार्थियों द्वारा उपयुक्त उत्तर पर अंक दिए जाएँ।
7. खून पसीने की गाढ़ी कमाई/बलि चढ़ाना/आँसू बहाना/पैरों तले जमीन खिसकना/मुँह करना/मुँह ताकना
   (किन्हीं दो मुहावरों का उपयुक्त वाक्य प्रयोग अपेक्षित)
8. - भारतीय किसान
   - किसान की दुर्दशा
   - औद्योगीकरण एवं भारतीय किसान

   (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें।)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (1×5=5)**

   पग-पग पर चौराहे मिलते हैं,
   बाँहें फैलाए रोज़ मिलती हैं सौ राहें,
   शाखा-प्रशाखाएँ निकलती रहती हैं,
   नव-नवीन रूप-दृश्य वाले सौ-सौ विषय
   रोज-रोज मिलते हैं ....
   और, मैं सोच रहा हूँ कि

जीवन में आज के

लेखक की कठिनाई यह नहीं कि

कमी है विषयों की

वरन् यह है कि आधिक्य उनका ही

उसकी सताता है,

और, वह ठीक चुनाव नहीं कर पाता है।

1. **कैसे कह सकते हैं कि यह काव्यांश किसी भी लेखक की समस्या से संबंधित है?**
2. **समस्या की विकरालता को कवि ने किस रूप में देखा है?**
3. **शाखाएँ-प्रशाखाएँ से कवि का क्या आशय है?**
4. **"पग-पग चौराहे मिलते हैं बाँहें फैलाए" का भाव स्पष्ट कीजिए**
5. **लेखक विषय का चुनाव ठीक से क्यों नहीं कर पाता?**

उत्तर-

1. लेखन के लिए विषय चुनने के मामले में अनिश्चय की स्थिति
2. विषयों की अधिकता, किसे प्राथमिकता दें, किसे न दें
3. एक विषय से जुड़े अनेकानेक उपविषय
4. कदम-कदम पर लेखन के लिए प्रेरित करने वाले विषय रचनाकार को बुलाते हैं।
5. विषयों की अधिकता के कारण

खंड-ख

3. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए : (5)**
    1. खेल और युवा
    2. हिंदी-भारत का भविष्य
    3. विज्ञान और समाज
    4. स्त्री शिक्षा और सामाजिक चेतना

    उत्तर-

    i. भूमिका (1)
    ii. विषय-वस्तु (3)
    iii. भाषा की शुद्धता एवं प्रस्तुति (1)
4. **अनियमित विद्युत आपूर्ति के कारण होने वाली असुविधाओं और बिजली चोरी की हो रही घटनाओं की सूचना देते हुए विद्युत विभाग के वितरण प्रबंधक को पत्र लिखिए और सुझाव भी दीजिए। (5)**

    अथवा

    आपके निकट के चिकित्सालय में उपलब्ध सुविधाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए चिकित्सा अधीक्षक को एक पत्र लिखिए तथा उसे और अधिक उपयोगी बनाने के लिए दो सुझाव भी दीजिए।

उत्तर- पत्र-लेखन-

- आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ (2)
- प्रभावी विषय-वस्तु (2)
- भाषा की शुद्धता, प्रवाह एवं लेख (1)

5. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (1×5=5)**
   1. **'वाचडॉग पत्रकारिता' से क्या आशय है?**
   2. **'फ़ोन इन' क्या है?**
   3. **संपादक का मुख्य कार्य क्या है?**
   4. **'इंट्रो' किसे कहते हैं?**
   5. **'प्रिंट मीडिया' के कोई दो लाभ लिखिए।**

   उत्तर-
   1. सरकारी कामकाज पर निगाह रखना, गड़बड़ियों का पर्दाफाश करना
   2. घटनास्थल से एंकर रिपोर्टर से फोन द्वारा बात करके दर्शकों को सूचना देता है।
   3. प्राप्त समाचारों का संपादन करना व संपादकीय लिखना
   4. खबर के मूल तत्व को शुरू की दो या तीन पंक्तियों में बताया गया है।
   5. सस्ता साधन, स्थायित्व, सुलभता
6. **'बढ़ती आबादी एवं घटती जनसुविधाएँ' अथवा 'स्वच्छ भारत मिशन' विषय पर एक आलेख लिखिए। (5)**

   उत्तर- किसी एक पर **आलेख** लेखन-
   1. प्रभावी विषय - वस्तु (2)
   2. प्रस्तुतीकरण (2)
   3. भाषा एवं शैली (1)
7. **'जल ही जीवन है' अथवा 'मेरा देश मेरा कर्तव्य' विषय पर एक फ़ीचर लिखिए। (5)**

   उत्तर- किसी एक पर फीचर लेखन-
   1. प्रभावी विषय - वस्तु (2)
   2. प्रस्तुतीकरण (2)
   3. भाषा की शुद्धता (1)

खंड -ग

8. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4=8)**

   रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष

   अंगना-अंग से लिपटे भी

   आतंक-अंक पर काँप रहे हैं।

   धनी, वज्र-गर्जन से बादल !

त्रस्त नयन-मुख ढाँप रहे हैं।
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर
तुझे बुलाता कृषक अधीर।
ऐ विप्लव के वीर !

1. **काव्यांश में शोषकों की किस दशा का वर्णन किया गया है और कैसे?**
2. **किसानों की स्थिति कैसी और क्यों है?**
3. **बादलों को विप्लव के वीर क्यों कहा गया है?**
4. **भाव स्पष्ट कीजिए: "अंगना-अंग से लिपटे भी आतंक-अंक पर काँप रहे हैं।"**

उत्तर-

1. सुख-सुविधाओं में लिप्त होते हुए भी क्रांति की आहट से भयभीत
   आँखें बन्द कर काँप रहे हैं।
2. दयनीय स्थिति, कमजोर दुर्बल शरीर
   सूखे से एवं शोषकों द्वारा पीड़ित
3. प्रकृति में परिवर्तन के कारण।
4. अनेक सुख-सुविधाओं के बीच रहते हुए भी आनन्द से परे

अथवा

- जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
  पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास
  जब वे दौड़ते हैं बेसुध
  छतों को भी नरम बनाते हुए
  दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
  जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
  डाल की तरह लचीले वेग से अकसर
  छतों के खतरनाक किनारों तक
  उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
  सिर्फ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत
  पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ उन्हें थाम लेती हैं
  महज एक धागे के सहारे।
  1. **'छतों को भी नरम बनाने' का क्या अर्थ है?**
  2. **'कपास' शब्द किसका प्रतीक है? उसे जन्म से ही साथ लाना क्या संकेतित कर रहा है?**
  3. **दिशाओं को मृदंगों की तरह बजाने से कवि का क्या आशय है?**
  4. **छतों के किनारों से गिरने से उन्हें कौन बचाता है?**

उत्तर-

1. पतंग के पीछे दौड़ते हुए बच्चों को छतों की कठोरता प्रतीत नहीं होती
2. कोमलता/स्वच्छता/पवित्रता
   बच्चों की कोमलता एवं निश्छलता को
3. उछलते-कूदते बच्चों की खुशी और उमंगों का सुन्दर चित्रण
4. पतंग को पाने का रोमांच/उत्सुकता/खुशी के कारण सन्तुलन

9. **निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×3=6)**

   आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी,

   हाथों पे झुलाती है उसे गोद भरी।

   रह-रह के हवा में जो लोका देती है

   गूँज उठती है खिलखिलाते बच्चे की हँसी।

   1. **काव्यांश का भाव-सौंदर्य लिखिए।**
   2. **काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए।**
   3. **भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।**

   उत्तर-

   1. वात्सल्य का दर्शन, माँ द्वारा बच्चे को हवा म उछालना, हाथों पर झुलाना, गोद में लेकर आँगन में खड़ा होना आदि क्रियायें
   2. - चाँद के टुकड़े - रूपक अलंकार
      - रह-रह - पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार
   3. - खड़ी बोली
      - वर्णनात्मक शैली
      - लोक भाषा का प्रयोग
      - 'लोका देना' - अनोखा आंचलिक प्रयोग
      - वात्सल्य रस

10. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (3+3=6)**

    1. **'छोटा मेरा खेत' कविता में कवि के और किसान के कार्य में समानता किस प्रकार प्रदर्शित की गई है?**
    2. **'आत्मपरिचय' कविता में "मैं और, और जग और कहाँ का नाता" से कवि को किस मनोदशा का उल्लेख किया गया है?**
    3. **'उषा' कविता में गाँव की सुबह का गतिशील शब्दचित्र कैसे है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।**

    उत्तर-

    1. - खेत कागज के समान
       - बीज कागजों पर लिखे गए भाव और विचार
       - किसान खेत में बीज बोकर, जल और खाद देकर फसल उगाता है, उसी तरह कवि कागज पर भावों के बीज उगाता है।
    2. - संसार कवि की भावनाओं को नहीं समझता
       - कवि अपनी भावनाओं की मदहोशी में मस्त है।

- संसार के व्यवहार से उसका व्यवहार भिन्न है।
- संसार के चाहे-अनचाहे पलों के बीच जीने की विवशता

3. - नीले नभ को राख से लिपा चैका, ग्रामीण जीवन में प्रातः का प्रथम कृत्य
   - काली सिल पर कार्य प्रारंभ
   - लिपा हुआ चैका, काली सिल या स्लेट और सरोवर में नहाती युवती गाँव के गतिशील परिवेश को चित्रित करते हैं।

11. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (2×4=8)**

उस बल को नाम जो दो; पर निश्चय ही वह उस तल की वस्तु नहीं है जहाँ पर संसारी वैभव फलता-फूलता है। वह कुछ अपर जाति का तत्व है। लोग स्पिरिचुअल कहते हैं; आत्मिक, धार्मिक, नैतिक कहते हैं। मुझे योग्यता नहीं कि मैं उन शब्दों के अन्तर देखें और प्रतिपादन करूं। मुझे शब्द से सरोकार नहीं। मैं विद्वान नहीं कि शब्दों पर अटकूँ। लेकिन इतना तो है कि तृष्णा है, बटोर रखने की स्पृहा है, वहाँ उस बल का बीज नहीं है। बल्कि यदि उसी बल को सच्चा बल मानकर बात की जाय तो कहना होगा कि संचय की तृष्णा और वैभव की चाह में व्यक्ति की निर्बलता ही प्रमाणित होती है। निर्बल ही धन की ओर झुकता है। वह अबलता है। वह मनुष्य पर धन की और चेतन पर जड़ की विजय है।

1. **गद्यांश में किस बल की बात की गई है? उस बल की विशेषता लिखिए।**
2. **व्यक्ति की निर्बलता कब और कैसे प्रमाणित होती है?**
3. **'अपर जाति का तत्व' किसे कहा है और क्यों?**
4. **आशय स्पष्ट कीजिए: 'वह मनुष्य पर धन की और चेतन पर जड़ की विजय है।'**

उत्तर-

1. - अपर जाति का तत्व
   - तृष्णा, बटोर कर रखने की चाह से ऊपर
2. - जब वह धन की ओर झुकता है
   - संचय की तृष्णा और वैभव की चाह से
3. - आध्यात्मिक (स्पिरिचुअल)
   - आत्मिक , धार्मिक और नैतिक बल के कारण
4. आध्यात्मिक बल मनुष्य को धन की चाह से ऊपर उठाता है।

12. **निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (3×4=12)**

1. **इंदर सेना से क्या तात्पर्य है? उसे मेंढक मंडली क्यों कहा गया है?**
2. **भक्तिन के स्वभाव को ऐसी तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिनके कारण उसने लेखिका को अपने अनुसार ढाल लिया।**
3. **उन संघर्षों का उल्लेख कीजिए जिनसे टकराते-टकराते चाल चैप्लिन के व्यतित्व में निखार आता चला गया।**
4. **'नमक' कहानी में क्या संदेश छिपा हुआ है? अपने शब्दों में लिखिए।**
5. **हृदय की कोमलता को बचाने के लिए व्यवहार की कठोरता भी कभी-कभी बहुत आवश्यक हो जाती है। 'शिरीष' पाठ के आधार पर समझाइए।**

उत्तर-

1. - अनावृष्टि दूर करने के लिए जो बच्चे घर-घर पानी माँगते हैं उन्हें इन्दर सेना कहते हैं।
   - उछल-कूद करने, कीचड़ में लोटने, नंगे बदन घूमने के कारण
2. - सेवा
   - समर्पण
   - आत्मीयता
   - अड़ियल स्वभाव
   - तार्किक
   (किन्हीं तीन बिंदुओं का विस्तृत उल्लेख)
3. - अभावग्रस्त मध्यम श्रेणी का जीवन,
   - समाज द्वारा दुरदुराया जाना,
   - माता का पागलपन व परित्यक्ता होना,
   - दूसरे दर्जे की स्टेज अभिनेत्री का बेटा होना
4. - भारत-पाक की सीमा बाँटने से मनुष्यता नहीं बँट जाती
   - मातृभूमि के प्रति स्वाभाविक लगाव, आकर्षण आदि
5. - शिरीष का वृक्ष भी अपनी सरसता को बचाए रखने के लिए कठोर हो जाता है।
   - इसके फल विशेष रूप से कठोर होते हैं। कठोर आवरण के नीचे सरसता सुरक्षित रह पाती है।

13. **नवयुवकों के लिए विशेष उपयोगी जीवन-मूल्यों की दृष्टि से 'जूझ' कहानी की विवेचना कीजिए। (5)**
    उत्तर-
    - संघर्ष, धैर्य, स्वावलम्बन आदि द्वारा जीवन के उच्चतम शीर्ष को प्राप्त कर सकते हैं।
    - साहित्य लेखन में स्थान बना सकते हैं।
      (अन्य उदाहरण भी स्वीकार्य)

14. i. **'आधुनिकता' के प्रति यशोधर पंत और उसकी पत्नी के दृष्टिकोण का अंतर सोदाहरण समझाइए। (5)**
    ii. **महायुद्ध की विभीषिका के संदर्भ में ऐन फ्रेंक की डायरी को जीवंत दस्तावेज़ क्यों माना जाता है? (5)**
    उत्तर-
    i. - रहन-सहन
       - पहनावा
       - विचार
       - संस्कृति आदि बिंदुओं को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों के उपयुक्त उदाहरणों के आधार पर मुक्त उत्तर
    ii. - नाजियों द्वारा अत्याचार
       - यहूदियों की तत्कालीन दुरवस्था
       - नारी शोषण,
       - शिक्षा आदि बिंदुओं को ध्यान में रखकर